स्वतंत्रता दिवस पर नरेंद्र मोदी का भाषण

साभार : द हिन्दू **16 अगस्त, 2017**

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (शासन व्यवस्था) के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कार्यकाल को एक विकसित और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के समान पेश करते हैं। लेकिन क्या यह वाकई में सही है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में वर्ष 2022 तक जातिवाद, आतंकवाद, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से मुक्त एक न्यू इंडिया की बात करते हुए, भारतीयों को कई दीर्घकालिक सपने बेचने की कोशिश कर रहे थे, जो कि एक ऐसा सपना है जो उनके वर्तमान कार्यकाल की सीमा से कोशों दूर है। पिछले तीन सालों में अपनी सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए श्री मोदी ने भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण पर मोटे तौर पर ध्यान दिया है, चाहे वह किसानों की आय दोगुनी करने की बात हो या युवाओं और महिलाओं को रोजगार के कई अवसर देने की बात हो। देखा जाये तो वर्तमान सरकार स्पष्ट नीति निर्माण में कभी सफल नहीं हो सकी, लेकिन श्री मोदी को फिर भी विश्वास है कि उनके कदम और उनकी उपलब्धियां देश के लिए एक अधिक सुखी और सुरक्षित भविष्य की दिशा में बढ़ रही हैं। विमुद्रीकरण, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए किये गये सभी प्रयास, इन सभी को भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी भारत निर्माण के हिस्से के रूप में कहा गया है। पिछले साल के विपरीत, जब वे कश्मीर में हो रहे हिंसा पर चुप थे, इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को मुख्यधारा में शामिल होने के लिए कहा और जोर देकर कहा कि कश्मीर की समस्या गोलियों से हल नहीं हो सकती, इसके लिए कश्मीरी लोगों को गले लगाना होगा। लेकिन श्री मोदी ने सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह कही कि उन्होंने विश्वास के नाम पर हिंसा के खिलाफ बात करने के लिए कहा, जो कि भारत में अस्वीकार्य है। श्री मोदी ने सांप्रदायिकता और जातिवाद के बारे में बात की, लेकिन साथ ही श्री मोदी विश्वास के नाम पर हिंसा के विशिष्ट संदर्भ में अपने ही राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र में अति उत्साही होने से बचने की कोशिश भी की, विशेष रूप से गाय सुरक्षा के नाम पर मुसलमानों और संबंधित व्यापारियों को निशाना बनाए जाने के सन्दर्भ में। हांलाकि, इस सन्दर्भ में मोदी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के मुद्दे को भी जाहिर करने की कोशिश की, जहाँ वे दर्शाना चाह रहे थे कि उनकी सरकार किसी जाति या धार्मिक पृष्ठभूमि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। और श्री कोविंद के मुद्दे की तरह ही, जो सरकार और नागरिकों के बीच साझेदारी का निर्माण करेगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि सरकारी नीतियों का लाभ नागरिकों के सभी वर्गों तक पहुंच सके, मोदी ने नई भारत के लिए टीम इंडिया को आगे कदम बढाने के लिए आमंत्रित किया है।

हालांकि उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कई देशों से भारत को समर्थन देने के बारे में बात भी की, लेकिन श्री मोदी ने पाकिस्तान का उल्लेख सर्जिकल हमलों के अलावा कहीं नहीं किया और यह जोर देकर कहा कि इस वजह से भारत ने अपनी क्षमता और शक्ति को दुनिया को स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले साल, उन्होंने बलूचिस्तान को विशिष्ट रूप से संदर्भित किया था, साथ ही पाकिस्तान में बलूच पर हमले के बारे में बात करते हुए मोदी ने वहां के लोगों द्वारा उनको समर्थन दिए जाने के लिए लोगों की सराहना की थी। श्री मोदी ने चीन या डोकलाम के मुद्दे का कोई उल्लेख अपने संबोधन में नहीं किया है। देखा जाये तो उनका भाषण घरेलू निर्देशकों पर पूरी तरह से केन्द्रित था, जो विकास और प्रौद्योगिकी-सक्षम समाधानों पर निर्भरता के साथ-साथ अगले पांच सालों में देश को बदल देने से संबंधित था। यह एक ऐसी अवधि है जो अगले आम चुनाव से परे है और काफी स्पष्ट रूप से मोदी ने खुद को दूसरे कार्यकाल की सेवा के रूप में दर्शा दिया है।

पीएम मोदी के भाषण की खास-खास बाते और उनके मायने

धर्म से अटूट नाता

- पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत में ही लोगों को स्वतंत्रता दिवस के साथ जन्माष्टमी की भी बधाई दी। सुदर्शन चक्रधारी मोहन से लेकर चरखाधारी मोहन तक का जिक्र कर यह जता दिया कि विकास के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए न तो हम आजादी के आंदोलन के अगुवा को भूलेंगे, न ही धर्म और अध्यात्म की विरासत को भूलेंगे।

गोरखपुर अस्पताल की घटना का जिक्र

- पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत के बाद गोरखपुर के अस्पताल में मासूमों की मौत पर दुख जताने में देर नहीं लगाई। पूरा देश ये सुनना चाह रहा था कि इस भयंकर त्रासदी पर वे क्यों बोलते हैं।
- उन्होंने जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा और संकटों के जिक्र के दौरान ही गोरखपुर की घटना पर दुख जताया और ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की चाह

- पीएम मोदी ने जता दिया कि वे किसी खास वर्ग को लुभाने की जगह समाज के हर वर्ग को जोड़ने के मिशन पर हैं। 'समाज में न कोई छोटा है, न बड़ा' कहकर उन्होंने सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्ग के दिल पर मरहम लगाने की कोशिश की।
- न्यू इंडिया का संकल्प सामने रखते हुए उन्होंने कहा कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां सभी के लिए समान अवसर मौजूद हों। सामूहिकता की ताकत बताते हुए उन्होंने रामसेतु और गिलहरी का भी जिक्र किया।

नए और युवा वोटरों पर पैनी नजर

- प्रधानमंत्री ने आने वाले नए साल 2018 को इस सदी का निर्णायक साल बताया। उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी की शुरुआत में जन्मे नौजवान 1 जनवरी, 2018 को 18 साल के हो जाएंगे और भारत के भाग्यविधाता बनेंगे।
- नए वोटों का स्वागत करते हुए पीएम मोदी ने उन्हें देश की तरक्की में भागीदार बनने को कहा। साफ है कि इन नए वोटों को अपने साथ जोड़ने में वे देर नहीं लगाना चाहते हैं।

पाकिस्तान और चीन पर इशारों में बात

- प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में न तो पाकिस्तान का नाम लिया, न ही चीन का। इसके बावजूद उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र थोड़े साफ तरीके से, लेकिन चीन के साथ तनाव का जिक्र ढ़के तरीके से किया। भाषण में सेना का मनोबल बढ़ाने के दौरान ही उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र करते हुए कहा कि इसका लोहा पूरी दुनिया ने माना है।
- पीएम ने कहा कि हमारे देश की प्राथमिकता आंतरिक सुरक्षा है। ऐसा कहकर उन्होंने चीन को यह संदेश देने की कोशिश की कि भारत चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों से कतई चिंतित नहीं है। साथ ही देश चीन के मुद्दे पर किसी भी तरह के बड़बोलेपन से बचना चाहता है।
- 'देश के खिलाफ अगर कुछ भी हो, तो उसके लिए हम ताकत रखते हैं' कहकर उन्होंने यह भी समझा दिया कि अगर कोई अप्रिय स्थिति पैदा होती है, तो देश उसके लिए तैयार है।

भ्रष्टाचार और कालेधन पर खुलकर प्रहार

- भाषण में प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और कालेधन पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान बेहद कम समय में 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की बेनामी संपत्ति जब्त की गई। ये भी कहा कि गरीबों को लूटने वाले चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं।
- पीएम मोदी ने कहा कि 3 लाख शेल कंपनियों का खुलासा हुआ, जो हवाला कारोबार में लगे हुए थे। ऐसी करीब 2 लाख कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द हुआ और इन पर ताला लगाया गया। ये भी बताया कि किस तरह एक ही पते पर 400 कंपनियां चल रही थीं।
- पीएम ने बताया कि देश में 3 साल में सवा लाख करोड़ का कालाधन सामने आया है।

नोटबंदी और डिजिटल इंडिया

- भाषण की एक बड़ी बात यह रही कि पीएम ने नोटबंदी के बाद सिस्टोम में आई रकम के बारे में जानकारी दी, जो पहले दबा पड़ा था। हालांकि अब तक रिजर्व बैंक भी इस तरह की कोई जानकारी देने में खुद को असमर्थ बताता रहा है।
- मोदी ने विशेषज्ञ के आकलन का जिक्र करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद 3 लाख करोड़ रुपये बैंकिंग सिस्टम में वापस आया, जो पहले कालेधन के रूप में दबा पड़ा था। साथ ही ये भी बताया कि 2 लाख करोड़ रुपये अभी शक के दायरे में हैं।

GST की कामयाबी का जिक्र

- मोदी ने देश में GST लागू होने पर अपनी सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा कि इस टैक्स रिफॉर्म के आने से पूरी दुनिया चकित है। दुनिया जानना चाह रही है कि आखिर भारत ने इतने कम वक्त में कैसे इसे लागू कर दिया। उन्होंने कहा कि इस सुधार से देश को ताकत मिली हैं।
- **कश्मीर के लिए 'नया नारा'**
- जम्मू-कश्मीर में अमन बहाली के लिए पीएम मोदी ने कोई नया प्लान तो पेश नहीं किया, पर 'मुट्ठीभर अलगाववादियों' को कड़ी चेतावनी जरूर दे दी।
- पीएम ने कहा कि कश्मीर दोबारा स्वर्ग बने, सरकार अपनी ओर से इसकी पूरी कोशिश करेगी।

किसानों का दिल बहलाने की कोशिश

- लालबहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान के नारे दोहराने के साथ पीएम ने कहा कि देश का किसान रिकॉर्ड फसल का उत्पादन कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर किसानों को खेत में पानी मिले, तो वह मिट्टी से सोना उपजाने की ताकत रखता है। आगे का प्लान पेश करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2019 तक हर खेत तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।
- सरकार की ओर से 16 लाख टन दाल की खरीद का जिक्र करते हुए उन्होंने जता दिया कि सरकार किसानों के हित को नजरअंदाज नहीं कर सकती।

'ट्रिपल तलाक' बड़ा मुद्दा है

- प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से ट्रिपल तलाक की बात छेड़कर यह जता दिया कि आने वाले दौर में भी ये एक बड़ा मुद्दा बनेगा। उन्होंने कहा कि तीन तलाक से पीड़ित बहनों ने देश में एक आंदोलन खड़ा किया, जिसे बुद्धिजीवी वर्ग और मीडिया का भी समर्थन मिला।
- मोदी ने एक कदम आगे बढ़कर इस मुहिम का समर्थन करने वालों का हृदय से अभिनंदन किया। साथ ही ऐसी महिलाओं को ये भरोसा भी दिलाया कि उनकी इस लड़ाई में हिंदुस्तान मदद करेगा।

राज्यों से संबंध सुधारने पर फोकस

- पीएम मोदी ने साफ कर दिया कि वे देश की विकास यात्रा में राज्यों की सक्रिय भागीदारी चाहते हैं और उन्हें साथ लेकर ही चलना चाहते हैं। उन्होंने केंद्र-राज्य के बीच पहले होते रहे टकरावों और हाल के दौरान किए गए सुधारों का जिक्र किया। राज्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात कही। साफ शब्दों में बताया कि देश के विकास में मुख्य मंत्रियों का बहुत महत्व होता है।

संभावित प्रश्न

''प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के दौरान न्यू इंडिया का संकल्प सामने रखते हुए एक ऐसे भारत का निर्माण करने की चाह रखी है जहाँ सभी के लिए समान अवसर मौजूद हों।'' इस कथन के सन्दर्भ में सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ 2022 में एक नये भारत का संकल्प कहाँ तक संभव है? चर्चा कीजिये। **(200 शब्द)**

705, IInd Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, New Delhi - 110009
Ph.: 011 - 27658013, 9868365322